मोहयाल मित्र

मोहयाल, मोह्यालियत और इतिहास–6

धर्म के लिए साहस पूर्ण बलिदान

पूर्व कथाः मोहयालों के पूर्वज लम्बे समय तक सिंध, काबुल और पंजाब में राज करते रहे। उन्होंने देश को इस्लामी झंझावत से बचा कर रखा जिससे उस अवधि में भारत शान्ति और समृद्धि का उपभोग कर सका। इन प्रदेशों में वह अंतिम हिन्दू शासक थे। जब वह बाँध टूट गया तो धीरे–धीरे सारे देश पर इस्लाम का आधिपत्य हो गया। हिन्दू जनता के लिए यह लम्बा विदेशी शासन बड़ा उत्पीड़न का काल था और इसका निरंतर प्रतिरोध होता रहा। मोहयाल इस संघर्ष में शहीद होते रहे। उनके बलिदान की गौरव गाथा देश ने भुला दी है। उनको हम अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करते रहें।

मोहयाल कई शताब्दियों से सिंध नदी से सतलुज नदी के बीच के ऊपरी क्षेत्र में बसे हुए थे। अफ़गानिस्तान से भारत आने का मुख्य मार्ग भी वहाँ से गुजरता था और दोनों देशों के बीच अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के काफिले भी इसी मार्ग से जाते थे। पंजाब में पर्वत से निकाले गए नमक की भी व्यापार में विशेष भूमिका थी। पंजाब और काबुल के वैद और दत्त राजे व्यापार पर करारोपण से लाभान्वित होते ही थे पर इस क्षेत्र की जनता भी व्यापार संबंधित कार्यों से खुशहाल रहती होगी।

जब भारत के अधिकांश भाग पर मुस्लिम राज हो गया (1200 ई) तो तुर्क, अफ़गान और मंगोल आक्रमणकारी भी इस मार्ग से लूट मार के लिए आने लगे। हर बार वहाँ की जनता उत्पीड़ित होती थी। बाबर के आक्रमण तक भारत पर 70 आक्रमण हो चुके थे। इस निरंतर नरसंहार और विनाश से बचने के लिए, सिंध के अंतिम राजा डाहर का एक वंशज, राजा थारपाल छिब्बर एक सुरक्षित स्थान की खोज में था। पंजाब की "नमक पर्वत श्रृंखला" में "गम्भीर" नदी के किनारे "गढ़ थारचक" के नाम से उसने एक दुर्ग बना लिया।

1519 ई में, जब बाबर भेरा पर अपने आक्रमण से लौट रहा था, तो उसने खोखर जाति के सब ठिकानों का विनाश करने का प्रयत्न किया। उस संघर्ष में थरपाल छिब्बर का बेटा गौतम लड़ते हुए मारा गया और गढ़ थारचक भी ध्वस्त हो गया। गौतम का एक बेटा परागदास उस समय 12 वर्ष का था। परागदास अध्यात्मिक वृति का था। कई वर्ष हिमालय में घूमने और तपस्या के पश्चात उसका साक्षात्कार कश्मीर में गुरू नानकदेव से हुआ जिन्होंने उसे नानकपंथ की दीक्षा दी। गुरूजी ने उसकी युवा आयु को देखते हुए उसे सन्यास के बजाय गृहस्थ में रह कर समाजसेवा का उपदेश दिया। तब से वह बाबा परागा कहलाने लगे। अपने वंश के स्थान थारचक आकर उसके समीप एक उपयुक्त स्थान पर एक गाँव बसाया जो "करयाला" के नाम से जाना जाता है। बाबा परागा का विवाह (कैंबलपुर के समीप स्थित) "सारंग दुर्ग" के दीवान ताराचंद वैद की बेटी से हुआ।

बाबा परागा की बहुत लम्बी आयु थी। वह और उनका भाई "पेड़ा छिब्बर" तथा उन दोनों के कई वंशज, सिख गुरुओं के निकट सहयोगी रहे। गुरुओं के आदेश पर उन्होंने युद्धों में भी भाग लिया।

मुगल सम्राट अकबर के उत्तराधिकारी अधिक कट्टरपंथी और क्रूर थे। हिन्दू और सिख जनता पर उनके अत्याचार बढ़ने लगे। 1606–07 ई में जहांगीर की आज्ञा से पांचवें सिख गुरु अर्जुनदेव को बहुत यातनायें देकर मार दिया गया। इसका वर्णन जहांगीर ने अपनी आत्मकथा में किया है। छटे गुरू हरगोविन्द के आह्वान पर वृद्ध आयु में, बाबा परागा ने मुगल सेना से दो युद्ध किए। दूसरे युद्ध में वह बहुत घायल हो गए और वापसी पर करयाला में उनका देहांत हो गया। उनके बेटे द्वारकादास (या दुर्गादास) को गुरू हरगोबिंद का दीवान नियुक्त किया गया। सातवें और आठवें गुरू के संग भी दीवान के पद पर रहा। नवें गुरू तेगबहादुर के समय वृद्धयू के कारण उसने निवृति ली और उसके भतीजे भाई मतीदास और भाई सतीदास दीवान नियुक्त किए गए।

नवें गुरू तेगबहादुर (1664–75) के समय तक हालत बहुत बिगड़ चुके थे। औरंगज़ेब ने प्रदेशों के सूबेदारों को लिखित आदेश भेजे थे कि वह मन्दिर और मूर्तियों को तोड़ कर हिन्दुओं को धर्मांतरण के लिए मजबूर करें। वह भारत में "दारुल–इस्लाम" और "शरीयत" (इस्लामी कानून) चाहता था। गुरु तेगबहादुर धर्म की रक्षा के लिए किसी भी बलिदान के लिए तैयार थे। उनको पकड़कर दिल्ली लाया गया। भाई

 For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

मतीदास, सतीदास छिब्बर और दयालदास उनके संग थे। (भट्ट वही मुलतानी सिंधी)

कई प्रकार के प्रलोभन और धमकियां देने पर भी उन्होंने अपना धर्म त्याग कर मुस्लिम बनने से इन्कार कर दिया। उनके मनोबल को तोड़ने के लिए उनको कई यातनाऐं दी गई। मतीदास छिब्बर को दो लकड़ी के तख्तों के बीच बाँध कर आरे से उसके शरीर के दो टुकड़े कर दिए गए। उसने बड़े धैर्य और शान्ति के साथ इसको सहन किया। उसके भाई सतीदास छिब्बर के शरीर पर रुई बाँधकर उसको ज़िंदा जला दिया गया। दयालदास को जीवित उबलते तेल में डाल दिया गया। इन सब यात्नाओं को उन्होंने सहर्ष स्वीकार किया पर अपने धर्म से विमुख नहीं हुए। दिल्ली के चाँदनी चौक में गुरु तेगबहादुर को भी शहीद कर दिया गया। धर्म की रक्षा के लिए इन शहीदों का बलिदान विश्व के इतिहास में अद्‌भुत धर्म निष्ठा और वीरता का अद्‌वतीय उदाहरण है।

जब गुरु गोविन्द सिंह जी सिख पंथ के दसवें गुरू बने तो उन्होंने भाई मतीदास और भाई सतीदास जी के वंश के साहबचन्द, धर्मचन्द और मुकंदराय को "दीवानी" के पदों पर नियुक्त किया। यह छिब्बर ब्राह्मण भी अपनी वंशगत परम्परा के अनुसार देश हित में गुरू जी के लिए शहीद हुए। साहबचन्द सिंह ब्यास नदी के पास मुग़लों से युद्ध करते हुए शहीद हो गया। "जीत भई खालसा की, और साहब चन्द की लोथ उठाई" गुरू गोविन्द सिंह जी को इसका बहुत शोक हुआ और उन्होंने अपने हाथों से उसकी चिता जलाई। बाद में भाई मतीदास का बेटा मुकंदराय और कश्मीर के कृपा राम सिंह दत्त चमकौर के युद्ध में शहीद हो गए। गोविन्द सिंह जी के दो बेटे– अजीत सिंह और जुझर सिंह भी इसी युद्ध में लड़ते हुए मारे गए। गुरू जी वहाँ से बच कर निकलने में सफल रहे।

देश के लिए मोहयालों द्वारा बलिदान की यह श्रृंखला यहां समाप्त नहीं हो गई। उनकी गौरव गाथा हम जारी रखेंगे।

आर.टी. मोहन (पंचकुला) *मो. 09464544728*

शाबाश मानसी दत्ता

मानसी दत्ता सुपुत्री श्री विनय दत्ता "काकू" एवम् प्रीति दत्ता, पौत्री स्व. देवेश्वर लाल दत्त एंव श्रीमती उमा दत्ता ने सी. बी.एस.ई. बोर्ड दसवीं में 9.6 प्रतिशत सी.जी.पी.ए. से उत्तीर्ण हुई। पुत्री की उपलब्धि पर माता–पिता ने 201 रुपए खुश होकर जी.एम.एस शिक्षा फंड में दिए। बख्शी रवि दत्ता मानसी के ताया है जो मोहयाल सभा सहारनपुर के सचिव है।

मुकेश दत्ता, *ग्रिटिंग चैयरमैन*

भगवान परशुराम

अक्षय तृतीय को समस्त उत्तरी भारत में भगवान परशुराम जयन्ती मनाई गई है। कुछ लोग पूछते हैं कि परशुराम ने क्षत्रियों के साथ युद्ध करके उन्हें समाप्त करने का प्रण किया था। परन्तु राजा दशरथ व राजा जनक के साथ उन्होंने युद्ध क्यों नहीं किया?

इस प्रश्न का उत्तर यह है कि भगवान परशुराम अयोध्या के 30वें राजा हरित के समय हुए हैं, जब कि राजा दशरथ अयोध्या के 64वें राजा हुए (किसी–किसी पुराण में 60वें राजा माने गए हैं) आधुनिक शोध कर्त्ता एक राजा का शासनकाल औसतन 15 वर्ष मानते हैं। अतः जमदग्नि–सुत परशुराम राजा दशरथ से लगभग 500 वर्ष पूर्व हुए हैं। राजा दशरथ के समय जो ऋषि परशुराम हुए हैं, वे जमदग्नि–सुत परशुराम द्वारा स्थापित गद्‌दी को सुशोभित करने वाले अन्य ऋषि परशुराम हैं। परशुराम की माता रेणुका आयोध्या के राजा प्रसेन जित–1 की पुत्री थी। कन्नौज के राजा गाधि की पुत्री सत्यवती ऋषि ऋचीक को ब्याही थी, वह जमदग्नि ऋषि की माता थी। अयोध्या व कन्नौज के राजाओं के अतिरिक्त "परशुराम– हैहेय" युद्ध में विदेह, वैशाली, व काशी के राजा भी परशुराम के साथ थे। यह युद्ध प्राचीन काल का प्रथम महायुद्ध कहलाता है। परशुराम द्वारा पिता के शव व माँ को डोली में बैठा कर स्थान–स्थान पर ले जाने का उद्‌देश्य, अत्याचारी शासकों के विरुद्ध जनता को जागृत करना था।

परशुराम की पितृ-भक्ति- ऋषि जमदग्नि किसी बात पर पत्नी रेणुका से रुष्ट हो गए। उन्होंने अपने पाँचों पुत्रों को माँ से सम्बन्ध विच्छेद का आदेश दिया। चारों पुत्रों ने पिता का आदेश नहीं माना, परन्तु परशुराम ने पिता की आज्ञा मानते हुए माँ से नाता तोड़ दिया। बाद में पिता की सेवा करके उन्हें प्रसन्न कर दिया और उनसे माँ को अपनाने का वर माँगा। उस समय की सामाजिक परिस्थितियां ऐसी थी कि पति द्वारा त्यागी हुई स्त्री का समाज में सम्मान नहीं था। उसे मृतवत या पत्थर की तरह मानते थे। जैसे अहल्या को पत्थर समझा गया है।

लज्जा देवी मोहन, *मो. 09671432717*

लंगर फंड वृंदावन

डॉ. विजय स्वरूप लौ, ब्लाक 13, म.न. 332 बी, गीता कालोनी, दिल्ली–110031 मो. 9899594651 ने अपने पूज्यनीय स्वर्गीय दादा–दादी श्री साई दास जी एंव श्रीमती धनवन्ती बाई की पुण्य स्मृति में 11000 रुपए वृंदावन लंगर फण्ड हेतु भेंट कर रहा हूँ।

लंगर तिथि 16 जून

मेहनत एवं लगन से प्रगति के पथ पर एक और कदम

उत्तर रेलवे में खेलकूद संघ के मुख्य स्टाफ व मुख्य कर्मचारी एवम् हित निरीक्षक/प्रधान कार्यालय के पद पर कार्यरत श्री संजीव दत्ता पुत्र श्री डी.बी. दत्ता निवासी बी.जी–6/डी 28 पश्चिम विहार, नई दिल्ली को उनकी कर्मठता, निष्ठा, कार्य के प्रति लगन एवम् उत्कृष्ट सेवाओं व इनके द्वारा खुला विज्ञापन एवम् प्रतिभा खोज के द्वारा की जाने वाली खेल–कूद की भर्तियों, खिलाड़ियों के उत्कृष्ट योगदान पर मिलने वाली बिना बारी के अगले पद पर पदोन्नति के

मामले सुचारू रूप से संचालन किया जाता रहा है, को ध्यान में रखते हुए उत्तर रेलवे द्वारा दिनांक 22 अप्रैल 2016 को आयोजित 61वें रेल सप्ताह समारोह में श्री अजय कुमार पूठिया महाप्रबन्धक उत्तर रेलवे के द्वारा **"उत्कृष्ट सेवा पुरस्कार"** से सम्मानित किया गया है। इन्होंने वर्ष 2015 में आयोजित इण्टर रेलवे साईकिलिंग प्रतियोगिता का सफलता पूर्वक आयोजन किया गया। वर्तमान में श्री संजीव दत्ता बडौदा हाउस में मुख्य कर्मचारी एवम् हित निरीक्षक के पद पर कार्यरत हैं। श्री संजीव दत्ता बॉक्सिंग एवम् रेसलिंग आदि में राष्ट्रीय एवं अन्तराष्ट्रीय स्तर पर कमेन्ट्री भी करते हैं।

इस अवसर पर इनके पिता श्री डी.बी. दत्ता ने 151 रुपए जनरल मोहयाल सभा के शिक्षा फंड में तथा 151 रुपए मोहयाल सभा आगरा को प्रदान किए।

***एस.पी. दत्ता,** सचिव मोहयाल सभा आगरा, मो. 9897455755*

यादें

यादों के बादल घिर घिर आए
ले अश्रुदान फिर लौट गए
कब से अनंत में जा बसे हैं वो
तुम अब तक धूनी रमाए हो?
नैया तो कबकी डूब गई
नदिया भी है पहले सी हुई
दु:ख के किन भँवरों में फँसकर
तुम लहरों से आस लगाए हो?
जो बीत गया उसे जाने दो
धुएँ के बगुले न कभी हाथ आए
घुमड़ती बदरिया को बह जाने दो
अच्छी है तो चुप्पी जो साधे हो?

***निर्मला मोहन,** जे–1005, पालम विहार, गुरुग्राम फोन: 0124–4071005*

समाज सेवा ही सुभाष की जिंदगी का मकसद

अगर मन में कुछ करने की तमन्ना हो तो उम्र मायने नहीं रखती। ऐसा ही हौसला व जज्बा 67 वर्षीय सुभाष बाली में देखने को मिलता है, जो पिछले 35 वर्षों से समाज सेवा में जुटे हुए हैं। इस दौरान उन्होंने बच्चों को न केवल उनके अधिकार दिलाने का काम किया बल्कि रेडक्रॉस व सिविल डिफेंस से कइयों की स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में सहायता भी की। उन्हें इस कार्य के लिए राष्ट्रपति भी सम्मानित कर चुके हैं।

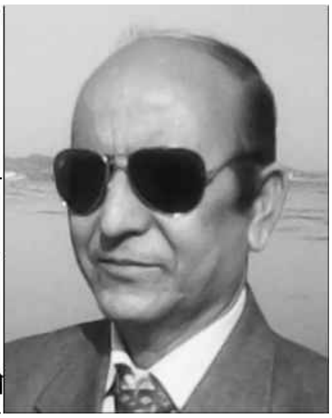

गाँधीनगर, जम्मू के रहने वाले सुभाष बाली ने वर्ष 1971 में जागृति निकेतन स्कूल में शिक्षक के तौर पर अपना सफर शुरू किया था, लेकिन उनमें समाज सेवा करने की भी ललक थी। उसी वर्ष वह रेडक्रॉस से जुड़ गए और जूनियर रेडक्रॉस व यूथ रेडक्रॉस में सक्रिय भूमिका निभाई। चाहे वर्ष 2005 का भूकंप हो या फिर सीमांत क्षेत्रों में होने वाली गोलीबारी से प्रभावित लोग, उनकी सहायता में सुभाष बाली सबसे आगे रहे। उन्होंने डेढ़ सौ से अधिक कैंप आयोजित किए, जहाँ युवाओं को शिक्षा के बारे में जानकारी दी। यही नहीं, युवाओं को प्राथमिक उपचार की ट्रेनिंग के लिए सैकड़ों कैंप आयोजित करवाए।

वर्ष 2007 में वह चाइल्ड लाइन जम्मू से जुड़े और बच्चों के अधिकारों के लिए काम किया। इस दौरान परिजनों से बिछड़ चुके कई बच्चों को उन्होंने उनके अभिभावकों से मिलाया। झुग्गियों में रहने वालों को शिक्षा व स्वास्थ्य की सुविधा भी मुहैया करवाई। इस उम्र में भी उनका जज्बा पहले की तरह बरकरार है। उन्हें सेंट जॉन एंबुलेंस का जम्मू जिले का प्रभारी बनाया गया था। इस दौरान जब राज्य में आतंकवाद चरम पर था तो उस समय पीड़ितों को समय पर अस्पतालों में पहुँचाने में उन्होंने अहम भूमिका निभाई। उसी दौरान सिविल डिफेंस के माध्यम से प्राथमिक उपचार के लिए युवाओं को प्रेरित किया।

***शख्सियत की खासियत:** वर्ष 1949 में बख्शी बरकत राय के घर में सुभाष बाली का जन्म हुआ था। 1971 में जागृति शिक्षा निकेतन स्कूल में वह शिक्षक बने। एनसीइआरटी ने 1975 में उन्हें राज्य के सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया। वर्ष 1983 में तत्कालीन राष्ट्रपति ज्ञानी जैल सिंह ने उन्हें इंडियन काउंसिल फॉर चाइल्ड वेलफेयर नई दिल्ली की ओर से सम्मानित किया। वर्ष 2014 में केंन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे.पी नड्डा ने उन्हें रेडक्रॉस में उनकी अहम सेवा के लिए सम्मानित किया। इसके अलावा अन्य कई संस्थाएं भी उन्हें सम्मानित कर चुकी है।*

समाज सेवा के लिए अपनी पत्नी ऊषा बाली को पूरा श्रेय देने वाले सुभाष बाली का मानना है कि हर व्यक्ति को उसका अधिकार मिलना चाहिए। वह इसी संकल्प के साथ वर्षों से समाज सेवा में जुटे हुए हैं। स्वास्थ्य और शिक्षा दो ऐसे क्षेत्र हैं, जिनकी सुविधा हर नागरिक को मिले तो समाज में काफी बदलाव आ सकता है।

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

मोहयाल सभाओं की गतिविधियाँ

मोहयाल सभा प्रेमनगर, देहरादून
मोहयाल मिलन-2016

मोहयाल सभा प्रेमनगर देहरादून द्वारा एक मोहयाल मिलन का आयोजन दिनांक 29 मई 2016 को मझौन गांव प्रेमनगर, देहरादून में आयोजित किया गया। यह गांव देहरादून भाहर से लगभग 10 कि. मी. दूर प्रकृति की सुन्दर वादियों में भूतपूर्व वारंट ऑफिसर भारतीय वायु सेना श्री सुरेन्द्र मोहन वैद के एकान्त निजी फार्म हाऊस में इस वर्ष हमें मोहयाल मिलन करने का सुअवसर प्राप्त हुआ। यह फार्म हाऊस (लॉ अक्वा फार्म हाऊस मझौन) हरे भरे ऊचें पेड़ों से घिरे पर्वत श्रृखंला के बीच स्थित है। यहां का वातावरण शीतल, शुद्ध एवं प्रदुषण रहित है।

मोहयाल प्रार्थना-सर्वप्रथम ध्वजारोहण कर सभी ने मिलकर मोहयाल प्रार्थना की, तथा गायत्री मंत्र का विधिवत पाठ किया।

मोहयाल मिलन की कार्यवाही- इस बार मोहयाल मिलन का दृश्य पहले के मुकाबले बिल्कुल अलग था न कोई विशिष्ट अतिथि न कोई मंच था। सभी कार्यकारिणी के सदस्य अन्य सदस्य एवं आमन्त्रित मोहयाल भाई बहन एक साथ गोल घेरे में कुर्सियों पर विराजमान थें। श्री हर्शवीर मेहता उप-प्रधान ने मोहयाल मिलन की कार्यवाही आरम्भ की। उन्होनें बताया कि हमारी सभा लगभग 30 वर्ष पहले उन्हीं के निवास स्थान पर स्थापित हुई थी। स्व0 श्री के.एल. दत्ता स्व. श्री एस.एस. मेहता, स्व. श्री कृष्ण कुमार बाली तथा श्री ज.एस. दत्ता जो कि वर्तमान में कोषाध्यक्ष है ने मिलकर प्रेमनगर सभा का गठन किया गया था जो कि आज तक जी.एम.एस से सम्बंध होकर सफलता पूर्वक उन्नति के पथ पर अग्रसर है।

प्रधान श्री डी.एन. दत्ता जी ने बताया कि मोहयाल मिलन का सारा खर्चा श्री हर्शवीर मेहता तथा प्रो. कमल रत्न वैद जी ने संयुक्त रूप से वहन किया है। प्रधान जी ने मोहयाल मिलन में सभी सदस्यों से कहा कि अपने परिचय देकर अपने विचार खुलकर रखें। जिसमें मासिक बैठक में अधिक से अधिक सदस्य सम्मिलत हो सकें। श्री राजेश बाली सचिव ने प्रधान एवं सचिव की सभा जो कि जी.एम.एस. द्वारा 14 व 15 मई को आयोजित की गई थी उसकी विस्तृत जानकारी सभा को दी। श्री बाली जी ने बताया कि जी.एम.एस. को हमारी सभा पूर्ण समर्थन दे रही है तथा उनके द्वारा किये गये कार्यो की सराहना कि। श्री सुरेन्द्र मोहन वैद ने अपने विचार खुल कर रखें तथा आपसी भाई चारे पर जोर दिया, उन्होनें कहा कि उनके फार्म हाऊस में मोहयाल भाई बहनों एवं बच्चों के आने पर बहुत खुशी हो रही है। श्री वैद प्रकाश मोहन श्री कमल रतन वैद, श्री रिपू दमन बाली, श्री उदय दत्ता एवं श्री जे.एस. दत्ता ने विस्तार पूर्वक अपने विचार रखें। मोहयाल मिलन में उपस्थित सभी सदस्य श्रीमती नूतन वशिष्ठ, श्रीमती पूजा दत्ता, श्रीमती विमला दत्ता, श्रीमती सरोज बाला वैद, श्रीमती नीरू छिब्बर, श्रीमती संतोश बाली, ले. कर्न. देवेन दत्ता, कमा. भारतीय नौसेना निशान्त वशिष्ठ, श्री सर्पक मेहता, श्री तरूण मोहन वरिष्ठ पत्रकार इत्यादि ने अपना परिचय दिया तथा अपने विचार रखें।

अंताक्षरि- महिलाओं एवं पुरूषों के बीच एक अंताक्षरि का आयोजन किया गया, जिसमें सभी ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। श्री नरेन्द्र लौ वरिष्ठ सदस्य ने अन्ताक्षरि में पूराने गाने सुनाकर सबको भाव विभोर कर दिया, तंबोला का खेल भी दो बार खेला गया, जिसमें महिलाओं, पुरूषों एवं बच्चों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया।

खेलकूद- महिलाओं के लिए म्यूजिकल चेयर दौड़ का आयोजन श्रीमती नीरू छिब्बर द्वारा कराया गया, जिसमें श्री संतोश बाली प्रथम, श्रीमती कासवी वशिष्ठ द्वितीय, एवं श्रीमती हरप्रीत कौर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। 10-12 वर्ष के बच्चों के लिए एक दौड़ का आयोजन हुआ, जिसमें ऋशभ दत्ता, कार्तिक बाली एवं मंयक दत्ता ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। 5-7 वर्ष के बच्चों के लिए एक दौड़ आयोजित की गई, जिसमें सुरभि दत्ता, कशभ वशिष्ठ एवं सुश्री श्रुति मेहता ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। वरिष्ठ पुरूष एवं महिलाओं के लिए रिले दौड़ का आयोजन किया गया। जिसमें ले. कर्नल देवेन दत्ता, कमा. निशान्त वशिष्ठ तथा दिलीप छिब्बर ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजेताओं को विशिष्ठ व्यक्तियों द्वारा पुरुस्कार वितरित कियें गयें।

अन्त में सभी ने स्वादिष्ठ भोजन का आनन्द लिया। श्री वेद प्रकाश मोहन, श्री कमल रतन वैद ने सुझाव दिया कि इस तरह के आयोजन वर्ष में दो बार आयोजित किये जायें। प्रधान श्री डी.एन. दत्ता ने श्री हर्षवीर मेहता एवं श्री उदय दत्ता को जिन्होनें मौसम की विपरीत परिस्थितियों के होते हुए भी अपना सहयोग प्रदान किया, सभा की ओर से उन्हें धन्यवाद दिया गया।

***राजेश बाली**, सचिव (मो.) 9758135583*

अंबाला कैंट

दिनांक 5.06.2016 को शिव प्रताप नगर, निवास स्थान श्री नरेश वैद, पर श्री आई.आर. छिब्बर जी की प्रधानगी में सभा का कार्यक्रम शुरू हुआ, जिसमें 15 सदस्यों ने भाग लिया। मोहयाल प्रार्थना व गायत्री मंत्रोच्चारण बाद सभा की पिछली

कार्यवाई पढ़कर सुनाई गई तथा सर्वसम्मति से अनुमोदन हुआ।

स्वास्थ्य कामनाः श्री एम.के. वैद जो काफी समय से बीमार चल रहे हैं, उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की गई।

शुभ समाचारः (क) श्रीमती ऊषा बाली ने खुश खबरी दी कि उसकी पोती रिया बाली सी.बी.एस.ई दसवीं में 9 सीजीपीए ग्रेड लेकर पास हुई है; सबने मुबारकबाद दी तथा कु. रिया बाली को उज्जवल भविष्य के लिए कामना की। रिया बाली, श्री मुकेश बाली व श्रीमती विधु बाली की पुत्री है। वह अब एयर फोर्स स्कूल अंबाला की छात्रा है। इस अवसर पर दादी ऊषा बाली जी ने एमएस अंबाला कैंट तथा जीएमएस प्रत्येक को 250 रुपए भेंट किए।

(ख) श्री धर्मेंदर वैद सुपुत्र स्व. कै. पी.आर. वैद ने भी ऐसी ही खुश खबरी सुनाई कि उनकी बेटी कु. रिया वैद ने सी.बी.एस. सी.ई. कक्षा 12वीं आर्मी स्कूल अंबाला को 94.5 प्रतिशत अंक प्राप्त करके टॉप किया है। साथ ही गुलाब जामुन के साथ सबका मुंह मीठा कराया। पूरे सदन ने जय मोहयाल के नारों के बीच धर्मेंदर वैद व उनके परिवार को बधाई दी तथा कु. रिया वैद बेहतर भविष्य के लिए आशीर्वाद दिया। श्रीमती सरिता वैद ने लोकल सभा और जीएमएस प्रत्येक को 250–250 रु. भेंट किए।

(ग) श्री नरेश वैद जी ने बताया कि उनके घर नन्हें दोहते सक्षम ने 8 मार्च 2016 को जन्म लिया है। सबने वैद परिवार को ढ़ेर सारी बधाई दी तथा नवजात शिशु व जननी के स्वस्थ रहने की कामना की। इस अवसर पर नरेश वैद जी ने नाना बनने पर लोकल सभा को 251 रुपए भेंट किए।

(घ) एच.एफ.ओ. एम.एल. दत्ता जी ने अपना 70वां जन्मदिन 15 मई को मनाया। इस अवसर पर इन्होंने लोकल सभा व जीएमएस दोनों को 251–251 रु. भेंट किए। सब सदस्यों ने बधाई दी तथा दीर्घायु की कामना की।

श्री एस.एल. छिब्बर मकान नं. 1031 प्रभु प्रेम पुरम अंबाला छावनी की स्व. माता जी श्रीमती पुष्पा रानी की पुण्यतिथि 2 जुलाई 2016 को उनके निवास स्थान पर मनाई जाएगी। इस अवसर पर श्री एस.एल. छिब्बर जी ने जीएमएस को 1100 रुपए भेंट किए।

श्री लोकनाथ बाली जी ने श्री दीपक दत्ता जी द्वारा जी.एम. एस के लिए 500 रुपए भेंट किए। सदस्यों ने इन सब दानियों का धन्यवाद किया।

श्री धर्मवीर बाली ने लोकल सभा को 200 रु. भेंट किए तथा श्री आई.आर. छिब्बर प्रधान जी ने भी लोकल सभा को 500 रु. दान राशि दी। श्री नरेश वैद जी ने आने स्व. पिता श्री बलदेव राज की 4.06.2016 पर पुण्यतिथि पर जीएमएस को 200 रु. भेंट किए।

प्रधान जी ने सब सदस्यों को जिनका जन्मदिन मई, जून में मनाया गया/जाएगा शुभ कामनाएं दी गई, इस विषय पर निर्णय लिया गया कि सब सदस्यों को उनके जन्मदिन व शादी की वर्षगांठ पर बधाई कार्ड दिए जाएंगे। तथा सबका रजिस्टर में रिकार्ड जरूरी है। एक बार फिर प्रधान जी ने कहा कि सालों से गैर हाजिर मोहयाल, सभा में भाग लेकर, पूरा सहयोग कर कार्यकर्त्ताओं का मनोबल बढ़ाएं तभी सभा तरक्की कर सकती है। युवाओं को सदस्य बनाएं तथा स्त्रियों का योगदान भी उतना ही जरूरी है। जीएमएस के आजीवन सदस्य बनें। निमंत्रण मिलने पर दूसरी लोकल सभाओं में शरीक होना, वातावरण को साफ सुथरा रखना, पानी बचाना, पेड़ लगाना आदि हमारे जीवन का अनिवार्य हिस्सा है।

प्रधान जी ने अगली मीटिंग 12 अग्रवाल कंपलैक्स में करने की सूचना दी तथा आग्रह किया, बिना पत्र की इंतजार किए हर महीने के पहले रविवार को मासिक मीटिंग में अधिक से अधिक मोहयाल भाई–बहिन व बच्चे शामिल हों। वैद परिवार का बढ़िया चाय–नाश्ते का धन्यवाद करते हुए सभा मीटिंग समाप्त हुई।

आई.आर. छिब्बर, *प्रधान* ***एचएफओ एम.एल. दत्ता,*** *महासचिव*
मो.: 9416464488 *मो. 9896102843*

बराड़ा

मोहयाल सभा बराड़ा की मासिक बैठक 1.05.2016 को सभा के प्रधान हरदीप सिंह वैद जी की अध्यक्षता में गायत्री मंत्रोच्चारण व मोहयाली प्रार्थना के बाद श्रीमती पूनम दत्त व श्री बलदेव सिंह दत्त के निवास स्थान पर सम्पन्न हुई, जिसमें लगभग 10–12 भाई–बहनों ने भाग लिया। सभा के वित्त सचिव श्री बलदेव सिंह दत्त जी ने पिछले माह की कार्यवाही पढ़कर सुनाई, जिसका सभी ने अनुमोदन किया।

सभा में श्रीमती पूनम दत्त जी ने अनुरोध किया कि जो पीछे पाकिस्तान में कंजरूर व मियाँवाली से सम्बन्धित दत्त हैं उनकी कुलदेवी कोन है। कृपया इसके बारे में मोहयाल मित्र में प्रकाशित करें। आपकी अति कृपा होगी। अंत में सभा में आए हुए सभी सदस्यों ने जलपान के लिए श्री बलदेव सिंह दत्त परिवार का धन्यवाद किया।

■ मोहयाल सभा बराड़ की मासिक बैठक सभा के प्रधान श्री हरदीप सिंह वैद जी की अध्यक्षता में 5.06.2016 को भाई लक्ष्मणदेव छिब्बर जी के निवास स्थान पर मोहयाली प्रार्थना के साथ आरम्भ हुई, जिसमें 12 सदस्यों ने भाग लिया।

 For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

सर्वप्रथम सभा के वित्त सचिव श्री बलदेव सिंह दत्त जी ने पिछले माह की कार्यवाही पढ़कर सुनाई व खर्च का हिसाब दिया, जिसे सभी ने अपनी सहमति प्रकट की।

शोक संदेशः श्रीमती सुशीला दत्ता धर्मपत्नी स्व. श्री तरलोक सिंह दत्ता जी के निधन का शोक दो मिनट का मौन रखकर प्रार्थना की कि दिवंगत आत्मा को प्रभु चरणों में स्थान मिले व बच्चों को दुख सहन करने की शक्ति दें। श्रीमती सुशीला दत्ता की रस्म–पगड़ी 9.06.2016 को अंबाला में उनके निवास स्थान पर हुई।

अन्त में सभी ने जलपान के लिए भाई लक्ष्मणदेव छिब्बर परिवार का धन्वाद किया।

रविन्द्र छिब्बर, *सेक्रेटरी (मो.) 09466213488*

जगाधरी वर्कशाप

मासिक बैठक दिनांक 5.06.2016 को प्रधान श्री सतपाल दत्ता जी की अध्यक्षता में जंजघर माड्रन कालोनी, आई.टी. आई में मोहयाल प्रार्थना के साथ आरम्भ हुई। जिसमें 10 सदस्यों ने भाग लिया।

शोक समाचारः मेहता दिलबाग राय जी की भाभी श्रीमती बिमला मेहता (धर्मपत्नी श्री हरबंस लाल मेहता) गीता कालोनी, कांसापुर रोड, यमुना नगर निवासी का निधन पर दो मिनट का मौन रखकर भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई।

सभी सदस्यों ने अपने–अपने सुझाव रखे और अगली मीटिंग में ज्यादा से ज्यादा सदस्य जोड़ने के लिए कहा। श्री नरेश मेहता जो कि मोहयाल सभा के लिए बहुत मेहनत करते हैं। श्री दिलबाग राय मेहता, श्री कुलभूषण, आर.के. बाली जी सभी ने विचार प्रकट किए जो कि प्रधान जी ने सुने और कहा कि इन पर ऊपर अमल किया जाएगा। श्री सुरेन्द्र मेहता (वैद) जी का हौंसला बुलन्द है। चलने में थोड़ी दिक्कत है और सभा के कार्य के लिए हरदम तैयार रहते हैं। सभा में 250 रुपए भेंट किए।

प्रधान जी ने आए हुए सभी सदस्यों का धन्यवाद किया और अगली मासिक बैठक जंजघर में की जाएगी।

सतपाल दत्ता, *प्रधान (मो. 09355310880)*

कुरूक्षेत्र

आज दिनांक 12.06.2016 को मोहयाल सभा कुरूक्षेत्र की कार्यकारिणी की मीटिंग प्रधान संतोष वैद की अध्यक्षता में हुई।

शोक समाचारः श्री स्नेह छिब्बर जी की माता श्रीमती परमेश्वरी देवी के निधन पर शोक प्रकट किया गया। श्री कृष्णलाल छिब्बर सुपुत्र श्री कर्मचंद छिब्बर निवासी शाहबाद के निधन पर शोक प्रकट किया। इस दुःख के मौके पर उनके पुत्र अशोक छिब्बर एडवोकेट शाहबाद ने मोहयाल सभा कुरूक्षेत्र को 500 रुपए भेंट किए।

प्रधान जी ने कार्यकारिणी को हुडा के सेक्टर 13 के प्लाट के बारे में अवगत कराया के पहले वह प्लाट संस्थाओं व राजनीतिक पार्टिओं के लिए आरक्षित थे तथा इसके बारे में रायज़ादा बी.डी. बाली जी को अवगत कराया गया तथा उनके द्वारा पूर्ण सहयोग देने पर आभार प्रकट किया, परन्तु हुडा कार्यालय से संपर्क करने पर पता चला के यह प्लाट सिर्फ अब राजनैति पार्टिओं के लिए ही आरक्षित हैं। प्रधान जी ने विश्वास दिलाया कि जल्द ही मोहयाल भवन कुरूक्षे के लिए उपयुक्त स्थान रायज़ादा बी.डी. बाली जी के आशीर्वाद से हो जाएगा।

संतोष वैद, *प्रधान*

प्रेमनगर-देहरादून

प्रेमनगर की मासिक बैठक 24 अप्रैल 2016 को श्री प्रवेश दत्ता के निवास स्थान पर आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता प्रधान श्री डी.एन. दत्ता जी ने की। मोहयाल प्रार्थना के उपरान्त बैठक की कार्यवाही आरम्भ की गई। सर्वप्रथम श्री जे. एम. बख्शी, श्री डी.एन. दत्ता एवं प्रवेश दत्ता जी के जीजा जी का निधन 30 मार्च 2016 को बड़ोदरा में हुआ था, दो मिनट का मौन रखकर भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई तत्पश्चात गत माह की कार्यवाही पढ़कर सुनाई गई।

श्री जे.एस दत्ता कोषाध्यक्ष अचानक स्वास्थ्य खराब होने के कारण उक्त बैठक में उपस्थित नहीं हो सकें।

संपर्क यात्रा- प्रो. कमल रतन वैद जी ने सभा को बताया कि उन्होंने श्री वेद प्रकाश मोहन एवं श्री लाल प्रवेश मेहता ने पिछले दिनों एक संपर्क यात्रा की थी जिसमें दूर–दराज कुछ मोहयाल परिवारों से संपर्क कर उनका हालचाल पूछा। प्रधान श्री डी.एन. दत्ता जी ने उनके इस कार्य की सराहना की तथा आशा व्यक्त की भविष्य में भी ऐसी संपर्क यात्रा आयोजित की जाएगी।

मोहयाल मिलन- बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों की सहमति के अनुसार मोहयाल मिलन 29.05.2016 मझोन गांव में आयोजित करने का निर्णय लिया गया। इस मोहयाल मिलन का सारा खर्चा प्रो. कमल रतन वैद एवं श्री हर्षवीर मेहता उपाध्यक्ष द्वारा संयुक्त रूप से उठाया जायेगा। मोहयाल मिलन के लिए एक समिति का गठन किया गया, जिसमें हर्षवीर मेहता, बोनी बाली, श्रीमती नीरू छिब्बर, श्रीमती पूजा दत्ता, श्री नूतन वशिष्ठ एवं श्री उदय दत्ता को शामिल किया गया।

श्री जीत लाल दत्ता, श्री राकेश दत्ता, श्री प्रवेश दत्ता एवं श्री डी.एन. दत्ता जी ने अपने माता–पिता स्व. श्रीमती कृष्णा दत्ता एवं स्व. श्री मेहता कुन्दल लाल दत्ता की पुण्य–स्मृति में सभा को 500 रु. दान स्वरूप प्रदान किए। श्री प्रवेश दत्ता जी ने सभा को 500 रु. अपने निवास स्थान पर आयोजित किए जाने पर दान दिए।

सभा के अन्त में श्री साईदास मेहता एवं श्रीमती सुषमा दत्ता एवं श्रीमती उमा मेहता जी ने अपने मधुर स्वरों में भजन गाकर वातावरण को भक्तिमय कर दिया। श्रीमती एवं श्री प्रवेश दत्ता जी द्वारा स्वादिष्ट भोजन एवं जलपान के लिए सभा की ओर से धन्यवाद दिया।

राजेश बाली, *सचिव (मो. 9758135583)*

नजफगढ़–नई दिल्ली

मोहयाल सभा नजफगढ़ की मासिक बैठक 5.06.2016 को प्रधान श्री शेरजंग बाली की अध्यक्षता में श्री हर्ष दत्ता, सचिव के निवास स्थान, दत्ता प्लाजा, 22 ओल्ड रोशनपुरा नजफगढ़, नई दिल्ली में मोहयाल प्रार्थना व गायत्री मंत्रोच्चारण के साथ आरम्भ हुई, जिसमें 20 भाई–बहनों ने भाग लिया। सभा के सचिव श्री हर्ष दत्ता जी ने पिछले माह कि कार्यवाही पढ़कर सुनाई, वित्त सचिव श्री बलदेव राज दत्ता जी ने लेखा–जोखा पेश किया, जिसका सब सदस्यों ने अनुमोदन किया।

प्रतिभाशाली मोहयाल विद्यार्थी सम्मान-2016: प्रधान जी ने सूचित किया कि 10वीं व 12वीं कक्षा में 85 प्रतिशत और इससे अधिक अंक से उत्तीर्ण मोहयाल विद्यार्थियों को जीएमएस द्वारा सम्मानित किया जाएगा। फार्म भर कर लोकल सभा नजफगढ़ को दे दें या जीएमएस में भेज दें। फ़ार्म जमा करने की अंतिम तारीख 31 अगस्त 2016 है। फ़ार्म जून 2016 के मोहयाल मित्र पेज नं.42 पर प्रकाशित है। प्रधान जी ने अपनी तथा नजफगढ़ सभा की तरफ से ले.कर्नल बी.के.एल. छिब्बर (से.नि.) के पोते अर्जुन छिब्बर सुपुत्र श्री राकेश छिब्बर के 10वीं कक्षा में 8.8 प्रतिशत अंक लेकर उत्तीर्ण होने पर बधाई दी।

प्रधान जी ने अनुरोध किया कि बैठक में अधिक से अधिक सदस्य भाग लें ताकि बिरादरी में मेल जोल बना रहे। अंत में सभी ने बढ़िया जलपान के लिए श्री हर्ष दत्ता को धन्यवाद दिया।

शेरजंग बाली, *प्रधान* — ***हर्ष दत्ता,*** *सचिव*
मो.: 9871756765 — *मो. 9312174583*

उत्तम नगर–नई दिल्ली

मोहयाल सभा उत्तम नगर की मासिक मीटिंग 8.05.2016 को श्री एस.पी. वैद जी के निवास स्थान मंसा राम पार्क में हुई। गायत्री मंत्र के बाद सभा की कार्यवाही आरम्भ करते हुए संजय बक्शी ने उपस्थित सब मोहयालों को पिछले दो महिनों में हुए शादी–विवाह एवं अन्य समारोह सबने एक दूसरे को बधाईयों दी।

सभा को सुचारु रूप से चलाने के लिए प्रधान श्री वैद जी ने सभा के सदस्यों से सुझाव माँगे। डिम्पी दत्ता, शैफाली बक्शी, सुमेधा वैद एवं नीलम वैद ने कई कारगार उपाय बताए, जिसको सही रूप–रेखा से चलाने के लिए विनित बक्शी और गौरव वैद को यह जिम्मेदारी दी गई।

महासचिव विनित बक्शी ने बताया कि 10 विधवा पेंशन फार्म जीएमएस में जमा करा दिए गए, दो फार्म को कैंसिल किया गया क्योंकि सभा सदस्यों द्वारा पाया गया कि वो जरूरतमंद नहीं थे।

■ मोहयाल सभा उत्तम नगर की जून माह की मीटिंग श्री एस.पी. वैद (प्रधान) जी के निवास स्थान मंसा पार्क में हुई। सभा में 8 सदस्यों ने भाग लिया। गायत्री मंत्र के बाद सभा में कई मुद्दों पर चर्चा हुई, जिन्हें हमने जल्द से जल्द पूरा करने की प्रधान वैद जी ने अनुमति दी।

पिछले महीने प्रधान–सचिवों की मीटिंग में हुए विषयों की जानकारी सभा से उपस्थित प्रधान एवं सचिव ने अन्य सदस्यों को अवगत कराया। जीएमएस की आने वाली कई योजनाओं के बारे में बताया गया।

अन्त में जलपान के साथ अगले माह की बैठक संजय बक्शी (उपप्रधान) के घर पर निश्चित किया गया।

संजय बक्शी, *उप–प्रधान (मो. 9811008335)*

महिला मोहयाल सभा देहरादून

महिला सभा की मासिक मीटिंग 8.05.2016 को श्रीमती स्वर्ण मेहता जी के 23ए नेशनल रोड पर प्रधान श्रीमती दीपिका मोहन जी की अध्यक्षता में हुई। सबसे पहले प्रार्थना व तीन बार गायत्री मंत्र का जाप किया गया।

आठ तारीख को ही 'मदर्स–डे' था। इस उपलक्ष में सभी बहनों में उत्साह था। श्रीमती रीता मेहता कोषाध्यक्ष ने मदर्स डे पर अपने विचार रखे। श्रीमती नीता मोहन ने कहा कि हमें अपनी बिरादरी के लिए अच्छे कार्य करने चाहिए।

सभा की सदस्य श्रीमती नूतन दत्ता जी का 2.04.2016 को अचानक निधन हो गया था। सभा में दो मिनट का मौन रखा गया।

अंत में सभी ने श्रीमती स्वर्ण मेहता जी को बढ़िया जलपान के लिए धन्यवाद किया सभा की अगली मीटिंग सविता मेहता जी के निवास स्थान पर 12 जून को होगी।

सविता मेहता, *सचिव (मो. 9837511348)*

सहारनपुर

मोहयाल सभा की मासिक बैठक हकीकत नगर स्थित मोहयाल सभा के प्रधान अनिल बक्शी 'भोली' के निवास स्थान पर संपन्न हुई, जिसमें 18 भाई–बहिनों ने भाग लिया। मोहयाल प्रार्थना से प्रारम्भ हुई, तत्पश्चात सचिव रवि बख्शी द्वारा विगत माह में हुई सभा की कार्यवाही सदस्यों को पढ़कर सुनाई जिसका सभी सदस्यों द्वारा अनुमोदन किया गया।

प्रधान अनिल भोली ने कहा जी.एम.एस की योजनाओं को और अधिक गति प्रदान करने के लिए अध्यक्ष/सचिव की बैठक दो

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

दिन की नई दिल्ली में हुई जो मील का पत्थर साबित हुई, हम जीएमएस का तहेदिल से स्वागत करते हैं। श्री भोली ने सुझाव दिया रिश्ते–नाते वाले पृष्ठ पर लड़का या लड़की का मैटरीमोनियल निकलता है, उसका कोड स्थायी रूप से रहना चाहिए, जिनका रिश्ता हो जाए वो वहाँ सूचित कर दे। राजेश बाली ने कहा मोहयाल सभा सहारनपुर के भवन के लिए श्री बी.डी. बाली जी से और धनराशि के लिए निवेदन किया जाए।

मुकेश दत्ता व ललित मेहता ने विचार रखते हुए कहा समाज के कर्मठ एवं उत्साहित युवकों को आगे लाकर सभा को और मजबूत करें।

सचिव बख्शी रवि दत्त ने जानकारी देते हुए बताया जनरल मोहयाल सभा द्वारा मोहयाल विद्यार्थियों को दसवीं व बारहवीं कक्षा में 85 प्रतिशत अंक से उत्तीर्ण होने पर सम्मानित किया जाएगा। सभी से अनुरोध है आगामी 31 अगस्त तक कार्यालय में आवेदन पत्र भेजने हैं उससे पहले बच्चों का नाम दे दें।

रुपक मोहन व गुरदीप दत्ता ने कहा राष्ट्रीय पर्व (15 अगस्त) पर भव्य कार्यक्रम रखा जाए, सभी ने सहमति प्रदान कर दी। सभी सदस्यों ने राजेश बाली के जन्मदिवस (28 मई) व मनोज बाली की शादी की वर्षगांठ (30 मई) की हार्दिक बधाई दी। वरिष्ठ सदस्य आर.एन. मेहता का स्वागत किया गया।

अंत में प्रधान अनिल भोली जी का धन्यवाद किया, जिन्होंने अपने निवास पर बुलाकर जलपान की सेवा की, गायत्री मंत्र के साथ मीटिंग का समापन हुआ।

अनिल बख्शी "लौ", *प्रधान*
मो.: 9319318690

रवि बख्शी, *सचिव*
मो. 9897645347

सब कुछ ही यहाँ हैं

बच्चा न जाने कि आया कहाँ से
बूढ़ा न जाने कि जाना कहाँ से
फिर वो मंजिल कहाँ हैं।

बना भी यहाँ हैं, पला भी यहाँ हैं,
पढ़ा भी यहाँ हैं, हुआ जवां भी यहाँ हैं,
लेकर बुढ़ापा भरा भी यहाँ हैं लेकिन
फिर वों गया ही कहाँ हैं।

किसी ने आ बताया नहीं
कि मैनें क्या देखा यहाँ हैं
फिर वो मंजिल कहाँ है।

कहाँ और वहाँ के तो सपने हैं "बक्शी"
सच पूछों तो सब कुछ ही यहाँ हैं।

वजीरचन्द बक्शी

"बदला न लो खुद को बदलो"

समय चक्र परिवर्तनशील है। सृष्टि एवं संसार परिवर्तनशील है क्योंकि अखिल ब्रह्मांड ही गतिशील है। सभी ग्रह गतिमान है। इसी क्रम में हमारी धरती भी अरबों वर्षों से सूर्य की परिक्रमा करती हुई अपनी धुरी पर घूमती रहती है, जिसके फलस्वरूप दिन–रात होते हैं, महीने बदलते हैं और युग भी बदल जाते हैं। यदि कोई वस्तु बलती नहीं तो उसे जड़ या षाषाण कह दिया जाता है।

मनुष्य भी संसार का ही एक अंश है। अतः वह भी समय के साथ परिवर्तित होता रहता है। मानव शरीर स्वयं चरणों में परिवर्तित होता है– बचपन, यौवन तथा बुढ़ापा।

बदलते समय के साथ सोच भी बदलती है। जैसे–जैसे आवश्यकताएं बदलती है वैसे–वैसे साधन, सुविधाऐं एवं संस्कार भी बदलते हैं। वृद्धों की सोच और युवाओं के दृष्टिकोण में अन्तर बढ़ता जाता है। बूढ़ों को पुरानापन भाता है तो युवकों को सब कुछ नया ही अच्छा लगता है। अतः युवा सदैव क्रांति चाहते हैं, परिवर्तन चाहते हैं। यहाँ हमें यह भी स्मरण रखना होगा कि नये भवन की आधारशिला पुरानी जमीन पर ही रखी जा सकती है हवा में नहीं।

मनुष्य सदैव परिस्थिति और अपने परिवेश से प्रभावित होता रहता है। संयोगवश कभी–कभी ऐसी परिस्थिति भी आ जाती है कि जब व्यक्ति का जीवन पूर्णतया ही बदल जाता है। राम भोला रत्नावली के व्यंग्य बाणों से छलनी होकर सन्त गोस्वामी तुलसीदास कहलाने लगता है। डाकू अंगुलिमाल गौतम बुद्ध का शिष्य बनकर एक बोद्ध भिक्षु हो जाता है। एक सामान्य वकील मोहनदास आगे चलकर महात्मा गाँधी पुकारे जाते हैं। यह परिवर्तन ही उन्हें बापू या राष्ट्रपिता की पदवी प्रदान करता है। यदि अपना उद्दार करना है तो परिवर्तन तो करना ही पड़ेगा। बिना खुद को बदले न अपना भला होने वाला है और न दूसरों का ही।

आज के उपभोक्तावादी एवं सुविधा भोगी समाज में अनेक विकृतियां आ गयी है। जैसे अनैतिकता, अनाचार, अत्याचार व भ्रष्टाचार। जिनके कारण अपराध बढ़ रहे हैं, जनजीवन अशान्त और असुरक्षित है। हर कोई कहता पाया जाता है कि "दुनिया बड़ी खराब है। जमाना बड़ा खराब है।" किन्तु एक भी व्यक्ति खुद को सुधारने या बदलने को तैयार नहीं। मेरा विचार है कि दूसरों को बदनाम न करों बदला न लो खुद को बदलो। प्रतिशोध मत लो, अनुरोध करो। हम दुनिया को नहीं सुधार सकते खुद को तो सुधार सकते है। यदि हममें इच्छा शक्ति या संकल्प शक्ति दृढ़ है तो सुधार संभव है। यदि जीवन को सुखी बनाना है तो अपना उद्धार अपने आप ही करना पड़ेगा। जब कोई व्यक्ति खुद को बदलेगा तो उसकी दुनिया ही बदल जायेगी। व्यक्ति के बदलने का प्रभाव उसके परिवार समाज, देश और दुनिया पर भी पड़ता है। महात्मा बुद्ध, महावीर स्वामी और महात्मा गाँधी आदि उदाहरण है। जिनके जीवन व उपदेशों का प्रभाव दुनिया पर पड़ा। अतः कहा न सकता है खुद को बदलो दुनिया खुद बदल जायेगी।

रवि बख्शी *(सहारनपुर)*

समर्पित मोहयाल भाई वेद व्यास दत्ता का निधन

जम्मू से श्री शिव दत्ता जी ने फोन द्वारा सूचित किया कि उनके मामा जी श्री वेद व्यास दत्ता जी का निधन हो गया है। विश्वास नहीं हुआ। फिर पूछा! उन्होंने बताया कि उनके निधन की सूचना समय पर नहीं दे पाए। उनका स्वर्गवास 15 मई 2016 को हो गया था।

श्री वेद व्यास दत्ता स्वयं में संस्था थे। उनका बहुमुखी व्यक्तित्व किसी को भी प्रेरित करने के लिए पर्याप्त था। वे शिक्षाविद् थे, समाजसेवी थे, धार्मिक आयोजनकर्त्ता थे। उन्होंने मोहयालों और दत्ता जाति संबंधी अनेक पुस्तकें लिखी थीं और उनको मुफ़्त मोहयालों तक पहुँचाया था। वे जनरल मोहयाल सभा के कार्यों के साथ जुड़े हुए थे और रायज़ादा बी.डी. बाली के अध्यक्ष के रूप में किए कार्यों के प्रशंसक थे। वे मेरे निरंतर संपर्क में बने हुए थे। उनकी रचनाएँ मोहयाल मित्र में प्रकाशित करने के सुअवसर मुझे मिले।

उनमें मोहयालियत के संस्कार थे और मोहयाल होने पर गर्व भी करते थे। वे पूंछ क्षेत्र के प्रतिष्ठित व्यक्ति थे। जम्मू–कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री फ़ारुख अब्दुल्ला उनके निवास पर भी आए थे। गद्दी वीरम शाही के उत्तराधिकारी के रूप में उन्होंने अनेक धार्मिक आयोजन कराए थे, जिसमें हज़ारों लोग शामिल होते थे।

उनके पुत्र श्री विनोद दत्ता ने बताया कि बातचीत करते–करते अचानक ही उनकी आत्मा परमात्मा में लीन हो गई। 81 वर्ष की आयु तक वे पूर्णतया सक्रिय थे और परिवारजन को सामाजिक कार्यों के लिए प्रेरित करते रहते थे। उनके निधन से मोहयालों ने एक समर्पित मोहयाल को खो दिया है। आशा है उनके परिवारजन उनके कार्यों को आगे बढ़ाएँगे। उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि! ईश्वर उनकी आत्मा को सद्गति दें। उनके पुत्र श्री विनय दत्ता (फ़ोनः 09419198871) और श्री विनोद दत्ता (फ़ोनः 09419600034) तथा समस्त परिवारजन के प्रति हमारी हार्दिक संवेदनाएँ! ऊँ शांति! शांति!! शांति!!!

अशोक लव

मोहयाल मित्र में रचनाएँ भेजने के पश्चात् प्रकाशन के लिए दो माह तक प्रतिक्षा करें। इसके पश्चात् ही कार्यालय से संपर्क करें। कृपया समस्त रचनाएँ-रिपोर्ट साफ-साफ लिखें जिन्हें पढ़ा जा सके। पोस्ट कार्ड या छोटे-छोटे कागज के टुकड़ों पर लिखकर रचनाएँ न भेजें। ई-मेल से भेजी रचनाएँ और रिपोर्ट साफ-साफ लिख कर भेजें। नहीं तो छप नहीं पाएगी।

"भूल सुधार"

कृपया मोहयाल मित्र जून 2016 के पेज संख्या 40 का अवलोकन करें जिसमें प्रेस की गलती से श्री प्रकाश चंद बाली जी की फोटो की जगह किसी अन्य की फोटो छप गई है, जिसका हमें खेद है। श्री प्रकाश चंद बाली जी की फोटो इस अंक में छाप रहे हैं।

पुण्य-तिथि

श्री प्रकाशचंद बाली की चौदहवीं पुण्य–तिथि स्वर्गीय श्री प्रकाश चंद बाली सुपुत्र श्री सालिगराम बाली की चौदहवीं पुण्य तिथि (26 अप्रैल 2016) के अवसर पर उनकी पत्नी

श्रीमती सुशीला बाली व पुत्रों श्री रविकांत बाली, शशीकांत बाली, राजीव बाली, सुशेन बाली एवम् संदीपन बाली की ओर से गरीब बच्चों के लिए 1100 रुपए जी.एम.एस में भेंट कर रहे हैं। इनके नाम से वृंदावन आश्रम लंगर फंड और हरिद्वार आश्रम लंगर फंड के लिए ग्यारह–ग्यारह हजार रुपए पहले ही भेंट कर चुके हैं।*–रविकांत बाली, जी–11, गाँधी नगर, नाका मदार, अजमेर (राजस्थान)*

"जिन्दगी"

आ जिन्दगी कुछ बात करें
मैं दस्तक दू, तू खोले किवाड़
चन्द लम्हों को खातीदार करें
आ जिन्दगी कुछ बात करे।
कुछ तू कहे और मैं सुनू
कुछ मैं कंहू और तू सूने
नये शब्दों का अहसास करे
आ जिन्दगी कुछ बात करें।
लोग उम्र की बातें करते हैं
पर मुझको कुछ भी याद नहीं
कब तू हाथ से फिसल गई
इसका भी अहसा नहीं आ जिन्दगी कुछ बात करे
यादों के गहरे समुन्द्र से
कुछ मोती ढूंढ कर लाई हूँ
रिश्तों की इन दहलीजों से
कुछ रिश्ते चुनकर लाई हूँ
कुछ तुम रख लो, कुछ हम रख लें
नये जीवन का आगाज़ करे
चल जिन्दगी फिर से
नयी शुरुआत करें।

नीलम मेहता, *होशियारपुर (पंजाब), मो. 9914658976*

 For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

माता-पिता की स्मृति में लंगर-फंड में भेंट

मैं, प्रदीप कुमार छिब्बर निवासी यमुनानगर (हरियाणा) अपनी माता जी स्व. श्रीमती प्रेमलता छिब्बर जी की पुण्य–तिथि 26.05. 2016 और पिता जी स्व. श्री कृष्णलाल छिब्बर जी कि पुण्य–तिथि 24.03.2016 के अवसर पर हरिद्वार मोहयाल आश्रम लंगर फंड के लिए 22000 रुपए भेंट किए।

श्रद्धांजलि

पाकिस्तान बनने के बाद पिता जी ने अपने बहनोई स्व. एस.आर. मेहता के पास मध्यप्रदेश के शहडोल जिले के नौराजाबाद में शरण ली और ए.सी.सी कम्पनी की कोयला खदान में कार्य शुरू कर दिया। अपनी लगन और मेहनत से उन्होंने शीघ्र ही ओवर मैन परीक्षा पास कर ली। वह एक ईमानदार और कर्त्तव्य परायण व्यक्तित्व के व्यक्ति थे। वह **Mines Rescu Team** के सदस्य भी थे और कई स्पर्धाओं में भाग लेकर सम्मानित भी हुए। सन् 1974 में उनका तबादला अमलाई कोयला खदान के लिए हो गया। दोनों ही कार्य क्षेत्रों पर उनको उच्च अधिकारियों द्वारा विशेष स्थान दिया जाता रहा है और अधिनस्थ कामगार सम्मान करते थे। अमलाई क्षेत्र में तो आज भी लोग उन्हें छिब्बर दादा के नाम से याद करते हैं। वह उस समय से मोहयाल पत्रिका के सदस्य थे। जब इसका प्रकाशन ऊर्दू में होता था। उन्होंने अपने परिवार के कई सदस्यों का विवाह बिरादरी में ही करवाने हेतू उन्हें कई बार दिल्ली आना पड़ा।

माता जी एक कुशल ग्रहिणी थीं। उनका मौहल्ले की महिलाओं में एक विशेष सम्मान था। कोयला क्षेत्र के सामाजिक कार्य जैसे नेत्र शिविर, रक्तदान आदि कार्यों में बढ़ चढ़कर सहयोग करती थी। उन्हें व्यंजन बनाना और लोगों को खिलाना बहुत अच्छा लगता था। सिलाई बुनाई का भी उन्हें बहुत शौक था। मैंने उन्हें दोपहर में कभी भी आराम करते नहीं देखा था। पिता जी के अधिनस्थ कामगारों को अपनी तरफ से निःशुल्क स्वैटर बना कर दे देना आदि। आज भी क्षेत्र के कामगार उन्हें अम्मा जी कह कर याद करते हैं।

आज के समय में मेरे स्वर्गीय माता जी, पिता जी को पहचानने वाले कम ही होंगे और मेरे द्वारा लिखा गया कोई पढ़ेगा या नहीं पढ़ेगा, परन्तु मुझे जो आत्म संतोष लिख कर मिला मैं वह ब्यान नहीं कर सकता और मैं मोहयाल मित्र पत्रिका के संपादक जी का पत्रिका में स्थान देने के लिए आभार व्यक्त करता हूँ।

प्रदीप कुमार छिब्बर, *यमुनानगर (हरियाणा)*
मो. 7206402640

मोहयाल

गहरी आँखें, चौड़ा माथा
नीचे लंबी नाक
लगभग एक सरीखे दिखते
हैं सारे मोहयाल।

आक्रोश दिखाई देता अंकित
अक्सर चेहरों पर इनके
गहरी सोच में डूबे दिखते
हैं सारे मोहयाल।

अपने से ज्यादा अपनों का
रखे जो ख्याल
अक्सर लम्बा जीवन जीते
हैं सारे मोहयाल...

पूरनचंद बाली 'नमन', *सी/1606, ओबेराय स्पलेण्डर,*
जे.वी.एल रोड, जोगेश्वरी (पूर्व) मुंबई–60
मो. 7045208241

जी.एम.एस. और मोहयाल मित्र के सदस्य बनें

- मोहयाल मित्र बिरादरी की धड़कन है, बिरादरी की शान है, परिवारों के सुख–दुःख का साथी है। इससे देश–विदेश में बसे मोहयालों के समाचार एक–दूसरे तक पहुँचते हैं। रिश्ते–नाते कराने का माध्यम है। जीएमएस द्वारा किए कार्यों और योजनाओं की जानकारी का साधन है। मोहयाल मित्र का वार्षिक शुल्क केवल 200 रु. हैं
- जनरल मोहयाल सभा के आजीवन सदस्य बनें। आजीवन सदस्यता शुल्क 3100 रु. है। मोहयालों की सर्वोच्च संस्था के कदम के साथ कदम मिलाकर चलें। आजीवन सदस्यों को मोहयाल मित्र आजीवन निःशुल्क मिलता है।
- मोहयाल मित्र कोरियर से प्राप्त करने के लिए कार्यालय से संपर्क करें।

समस्त जानकारियों के लिए संपर्क करें–011–26560456

13th PRATIBHASHALEE MOHYAL VIDYARTHEE SAMMAN – 2016

Classes Secondary (Class X) and Sr. Secondary (Class XII)

(Only for Mohyal Students)

Eligibilty: 85% (percent) and above **Last Date: 31st August 2016**

1. Name: .... **(Caste– Bali, Bhimwal, Chhibber, Dutta, Lau, Mohan, Vaid)**
2. Mother's Name: ....
3. Father's Name: .... (Caste ....)
4. Date of Birth: .... (Class passed ....)
5. Residential Address: ....

   ....

   Mobile No. .... Phone No. ....

   E-mail: ....
6. Name and address of School: ....

   ....

7. Marks / Grades in Five compulsory subjects

Subject	Marks / Grades
1	
2	
3	
4	
5	
Total Marks	**Percentage ....**

....
Signature of Student

....
Signature of Mother/Father/Guardian's

Attach with Form:

1. Attested marks sheet - 2016 Board Examination
2. Three latest passport size colour photographs, (not in school uniform).
   Write Name, Address and Mobile No. on the back of the photograph.

Send Form at the following address:

Dr. Ashok Lav, Convenor, Pratibhashalee Mohyal Vidyarthee Samman, General Mohyal Sabha, A-9, Qutab Institutional Area, USO Road, Jeet Singh Marg, New Delhi-110067.
Ph.: 011-26560456, 26561504

(a) You can send forms also through Local Mohyal Sabhas.

(b) Only Mohyal Students with caste– Bali, Bhimwal, Chhibber, Dutta, Lau, Mohan, Vaid are eligible.

 For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com